No. of Printed Pages/Questions: 2 / 5

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test – I (Round – II) 2025 – 2026

Class -10 | MM-20

Subject- Hindi | Time: 1 Hrs.

Name: ____________ | Roll No.: ________

***General Instructions:** All questions are compulsory.*

प्र0 1 नीचे दिए गए काव्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए– **1X4=4**

ऊँचे पहाड़ पर
पेड़ नहीं लगते
पौधे नहीं उगते
न घास ही जमती है।
जमती है सिर्फ़ बर्फ़
जो, कफ़न की तरह सफेद और
मौत की तरह ठंडी होती है।
खेलती, खिल–खिलाती नदी
जिसका रूप धारण कर
अपने भाग्य पर बूँद बूँद रोती है।
ऐसी ऊँचाई
जिसका परस
पानी को पत्थर कर दे
ऐसी ऊँचाई
जिसका दरस हीन भाव भर दे
अभिनंदन की अधिकारी है
आरोहियों के लिए आमंत्रण है
उस पर झंडे गाड़े जा सकते हैं
किंतु कोई गौरैया
वहाँ नीड़ नहीं बना सकती
ना कोई थका–माँदा बटोही
उसकी छाँव में पलभर
पलक ही झपका सकता है।
सच्चाई यह है कि
केवल ऊँचाई ही काफी नहीं होती
सबसे अलग–थलग
परिवेश से पृथक्
अपनों से कटा–बँटा
शून्य में अकेला खड़ा होना
पहाड़ की महानता नहीं
मज़बूरी है।
ऊँचाई और गहराई में
आकाश–पाताल की दूरी है।

I कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।

कथन (A) जो कफन की तरह सफेद और मौत की तरह ठंडी होती है।

कारण (R) पर्वत पर बर्फ नहीं जमती।

(क) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या नहीं करता है

II सच्चाई यह है कि केवल ऊँचाई ही काफी नहीं होती सबसे अलग–अलग परिवेश से पृथक् अपनों से कटा बँटा शून्य में अकेला खडा होना। उपर्युक्त पंक्ति में कवि के मन की कौन–सी भावना व्यक्त हुई है?

(क) ऊँचाई पर पहुँचने का गर्व

(ख) ऊँचाई पर पहुँचने की प्रसन्नता

(ग) ऊँचाई पर पहुँचने के कारण सबसे कट जाने का क्षोभ

(घ) उपर्युक्त सभी

III जीवन में अधिक ऊँचाइयों पर पहुँच जाने से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है और वह कैसा व्यवहार करने लगता है?

IV कवि की दृष्टि में बहुत ऊँचाइयों तक पहुँचना किसका प्रतीक है?

प्र0 2 वाक्य भेद पर आधारित निम्न पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X4=4

I अपने आत्मकथ्य के बारे में मन्नू भंडारी ने उन व्यक्तियों और घटनाओं के बारे में लिखा है जो उनके लेखकीय जीवन से जुड़े हैं। **(रचना के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए)**

II हालदार साहब को उधर से गुजरते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। **(इस वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए।)**

III नवाब साहब ने खिड़की से बाहर देखा और दीर्घ श्वास लिया। **(वाक्य को साधारण वाक्य में बदलिए।)**

IV उनकी बगल में बैठे–बैठे आइने में अपना मुँह निहारा करते थे। **(वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।)**

V ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। **(रचना के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए।)**

प्र0 3 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए– 2X2=4

I साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है, इस कथन पर अपने विचार कविता 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' के आधार पर लिखिए।

II भाव स्पष्ट कीजिए– ''इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।''

प्र0 4 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए– 2X2=4

I बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।

II कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।

प्र0 5 दिए गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 से 80 शब्दों में लिखिए–

हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ–कहाँ किस तरह से हो रहा है?

अथवा

लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया? **4X1=4**

––0––